विदेश राज्यमंत्री के हाथों हुआ 'अनुवाद मूल्यांकन' पुस्तक का लोकार्पण

(जोहासबर्ग से लौटकर अमित विश्वास) ; दक्षिण अफ्रीका के जोहासबर्ग के सैंडटन सिटी में आयोजित 9वे विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के शोधार्थी ओमप्रकाश प्रजापति की पुस्तक 'अनुवाद मूल्यांकन' का लोकार्पण विदेश राज्यमंत्री प्रनीत कौर व दक्षिण अफ्रीका में भारत के उच्चायुक्त वीरेन्द्र गुप्ता के हाथो किया गया।

लोकार्पण समारोह के दौरान मौजूद थे-मॉरीशस के कला एवं संस्कृति मंत्री मुकेश्वर चुन्नी, विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) एम.गणपति, सांसद सत्यव्रत चतुर्वेदी, रघुवंश प्रसाद सिंह, हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा के कुलपति विभूति नारायण राय, तकमिणे अम्मा, भाषाविद् प्रो.कृष्ण कुमार गोस्वामी, प्रतिकुलपति प्रो.ए.अरविंदाक्षन, प्रो.सूरज पालीवाल, प्रो.अनिल के.राय 'अंकित', प्रो.शंभु गुप्त, डॉ.नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, डॉ.अन्नपूर्णा चले, डॉ.प्रीति सागर, डॉ.एम.एम.मंगोडी, अशोक

मिश्र, राजेश यादव, अमित विश्वास, जगदीश दांगी सहित देश-विदेश से आए बड़ी सख्या मे हिदी प्रेमी।

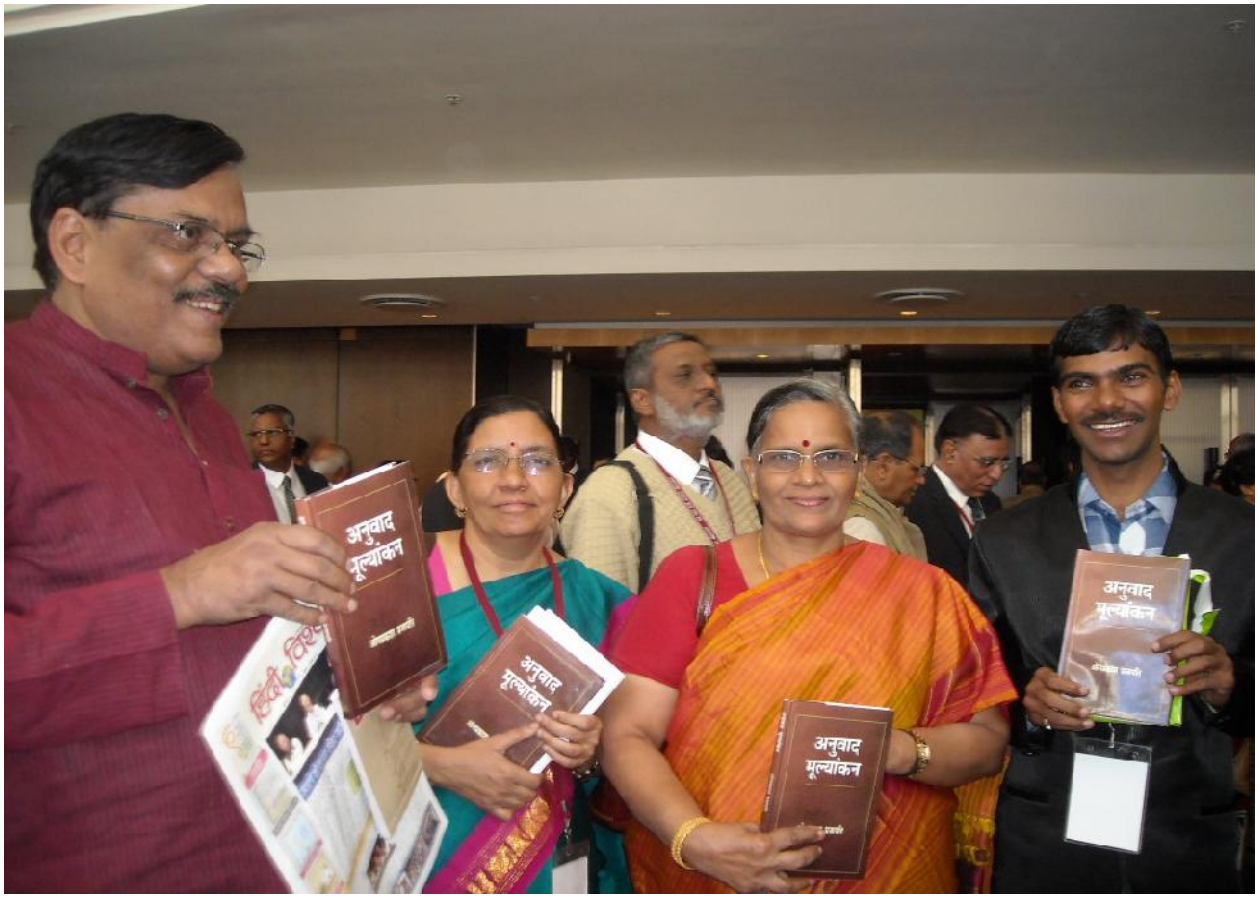

शोधार्थी ओमप्रकाश प्रजापति की यह प्रथम पुस्तक है। जिसमे लेखक ने अनुवाद की प्रक्रिया और उसमे आनेवाली कठिनाइयो पर विस्तार से विचार किया है। इस अवसर पर प्रो.के.के. गोस्वामी ने कहा कि आज अनुवाद एक सामाजिक राष्ट्रीय व अतरराष्ट्रीय आवश्यकता के रूप मे उभरकर आया है। यह जहा दो देशो और उनके जन समाजो को परस्पर जोड़ता , वही दो सस्कृतियो को एक-दूसरे के निकट लाने का भी प्रयास करता है। यह पुस्तक इस तथ्य को प्रमाणित करती है। इसीलिए अनुवाद मूल्याकन को समझने के लिए यह एक बेहद उपयोगी पुस्तक है। अनुवाद के क्षेत्र मे इसका स्वागत किया जाना चाहिए।

पुस्तक लोकार्पण के उपरात उपस्थित विद्वतजनो ने प्रजापति को बधाई दी। ओमप्रकाश ने इसके लिए अपने आदरणीय गुरूजनो का आभार प्रकट किया और भविष्य मे अकादमिक क्षेत्र मे नये-नये कार्य करने का विश्वास भी जताया।